दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ & Fax : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक : 26.07.2024

प्रकाशनार्थ

आज दिनांक 26.07.2024 को कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन एवं जम्मू कश्मीर अध्ययन केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में ''जम्मू कश्मीर का रणनीतिक एवं आर्थिक महत्व तथा वर्तमान चुनौतियों'' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. श्री भगवान सिंह, प्राचार्य मंहत अवेद्यनाथ महाविद्यालय चौक बाजार, महाराजगंज एवं प्रान्तीय अध्यक्ष, गोरखपुर चैप्टर, जम्मू कश्मीर अध्ययन केन्द्र ने कहा कि तत्कालीन पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष परवेज मुशर्रफ ने कारगिल की विषम परिस्थितियों और विषम मौसम का लाभ लेकर अपने सैनिकों द्वारा वहाँ खाली पड़े बंकरों में घुसपैठ कर कारगिल संघर्ष को जन्म दिया। इस घुसपैठ से निपटने के लिए तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के निर्देश पर बिना लाइन आफ कन्ट्रोल को पार किये कारगिल से इन घुसपैठियों को खदेडने का आदेश भारतीय सेना को दिया गया जिसे सफलता पूर्वक हमारी सेना ने इसे सम्पन्न किया। इसका प्रमुख कारण यह भी था कि भारतीय सेना लोकतांत्रिक आदेश का पालन करती है जबकि पाकिस्तानी सेना सेनाध्यक्ष के पूर्ण नियंत्रण में कार्य करती है। भारतीय सेना ने उच्च कोटि का मनोबल और बलिदान प्रदर्शित करते हुए खाद्य सामग्री की अपेक्षा गोला–बारूद को अपने पास ज्यादा मात्रा में रखकर इस दुर्लभ क्षेत्र पर भी विजय पताका तिरंगा फहरहा दिया। कारगिल संघर्ष अपने आप में विषम भौगोलिक परिस्थितियों और 8000 फीट की उॅचाई पर लड़ी जाने वाली सैन्य संक्रिया थी। सम्पूर्ण जम्मू कश्मीर का बहुत अधिक रणनीति एवं आर्थिक महत्व है। कश्मीर के सियाचीन से मध्य एशिया, रूस मध्य–पूर्व का क्षेत्र स्वर्णिम अर्द्धचन्द्र के समीप स्थित होने के कारण भी बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। स्वर्णिम अर्द्धचन्द्र के अफगानिस्तान–पाकिस्तान से होते हुए मादक द्रव्य भारत–नेपाल और चीन होते हुए पूरी दुनिया में फैलता है। भारत ने भी जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद –370 की समाप्ती और अक्साई चीन के समीप स्थित दौलत बेग ओल्डी पर अपनी पकड़ को मजबूत करते हुए वहॉ पर हवाई अडड़ों का निर्माण किया। जम्मू कश्मीर के प्रति भारत की बदलती हुई रणनीति निश्चित रूप से जम्मू कश्मीर के विकास के साथ–साथ भारत की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।

उक्त एक दिवसीय संगोष्ठी में अपने अध्यक्षीय उदबोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि पाकिस्तान अपने जन्म से ही जम्मू कश्मीर पर बुरी नजर रखे हुए है छद्म युद्ध के माध्यम और चीन के सहयोग जम्मू कश्मीर पर अपना अधिकार करना चाहता है क्योकि प्रत्यक्ष युद्ध एवं अपनी सेना के माध्यम से जब इस तरह का प्रयास किया है उसे पराजय का सामना करना है। आज पूरी दुनिया में पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवाद उजागर हो चुका है जिसकी सम्पूर्ण विश्व में निन्दा की जा रही है।

कार्यक्रम का संचालन रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन के प्रभारी डॉ. राम प्रसाद यादव ने किया। अतिथि परिचय तथा आभार ज्ञापन डॉ. शुभ्रांशु शेखर ने किया। उक्त कार्यक्रम में प्रो. परीक्षित सिंह, डॉ. शैलेश सिंह, श्री विकास पाठक सहित छात्र–छात्राओं ने सहभाग किया।

डॉ.(सुनील कुमार सिंह)
सह–प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क